

2. Mittu Hindi Lesson With Explanation



मिठ्ठु

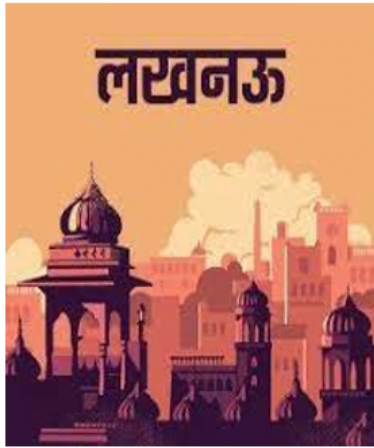
बंदर : Monkey



बंदरों के तमाशे तो तुमने बहुत देखे होंगे। मदारी के इशारों पर बंदर कैसी-कैसी नकल करता है, उसकी शरारतें भी तुमने देखी होंगी। तुमने उसे घरों से कपड़े उठाकर भागते देखा होगा। पर आज हम तुम्हें एक ऐसा किस्सा सुनाते हैं, जिससे मालूम होगा कि बंदर बच्चों से दोस्ती भी कर सकता है।



मिडू



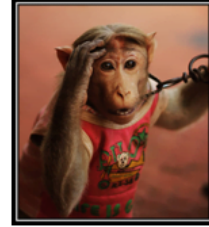
कुछ दिन हुए लखनऊ में एक सर्कस-कंपनी आई थी। उसके पास शेर, भालू, चीता और कई





तरह के अन्य जानवर भी थे। इनके अलावा एक बंदर 'मिठू' भी था। बच्चों के झुंड रोज

मिठू



मिठू



इन जानवरों को देखने आया करते थे। मिठू ही उन्हें सबसे अच्छा लगता था। उन्हीं बच्चों में गोपाल भी था। वह रोज आता और मिठू के

पास घंटों चुपचाप बैठा रहता । उसे शेर, भालू, चीते आदि से कोई प्रेम न था । वह मिठू के लिए घर से चने, मटर, केले लाता और खिलाता ।



मिठू भी उससे इतना घुल-मिल गया था कि बगैर उसके खिलाए कुछ न खाता ।



मिठू





इस तरह दोनों में बड़ी दोस्ती हो गई।
एक दिन गोपाल ने सुना कि
सर्कस-कंपनी वहाँ से दूसरे
शहर में जा रही है।



यह सुनकर उसे बड़ा दुख
हुआ। वह रोता हुआ
अपनी माँ के पास
आया





और बोलने लगा, “अम्मा, मुझे एक अठन्नी दो। मैं जाकर मिठू को खरीद लाऊँ। वह न जाने कहाँ चला जाएगा? फिर मैं उसे कैसे देखूँगा? वह भी मुझे न देखेगा तो रोएगा।”



माँ ने समझाया, “बेटा, बंदर किसी को प्यार नहीं करता। वह तो बड़ा शैतान होता है। यहाँ आकर सबको काटेगा, बेकार में शिकायतें सुननी पड़ेगी।” लेकिन लड़के पर माँ के समझाने का कोई असर न हुआ। वह रोने लगा। आखिर माँ ने मजबूर होकर उसे एक अठन्नी निकालकर दे दी।



अठन्नी पाकर गोपाल खुशी के मारे झूम उठा। उसने अठन्नी को मिट्टी से मलकर खूब चमकाया और मिट्टू को खरीदने चला। लेकिन मिट्टू वहाँ दिखाई न दिया। गोपाल का दिल भर आया, मिट्टू कहीं भाग तो नहीं गया? मालिक को अठन्नी दिखाकर गोपाल बोला, “क्यों साहब, मिट्टू को मेरे हाथ बेचेंगे?”



मालिक ने चुपचाप सुन लिया, कोई जवाब नहीं दिया। गोपाल मिट्टू को इधर-उधर ढूँढ़ने लगा। वह उसे ढूँढ़ने में इतना मगन था कि उसे किसी बात की खबर न थी। उसे बिल्कुल मालूम न था कि वह चीते के कठघरे के पास आ गया था। चीता भीतर चुपचाप लेटा था। गोपाल को कठघरे के पास देखकर उसने पंजा बाहर निकाला और उसे पकड़ने की कोशिश करने लगा। गोपाल तो



दूसरी तरफ देख रहा था। उसे खबर ही नहीं थी कि चीते का तेज पंजा उसके हाथ के पास पहुँच गया है।



वह इतना करीब था कि चीता उसका हाथ पकड़कर खींच ले। इतने में मिठू न जाने कहाँ से आकर उसके



चीते ने दूसरा पंजा निकालकर मिठू को ऐसा घायल कर दिया कि वह वहीं पर गिर पड़ा और जोर-जोर-से चीखने लगा ।



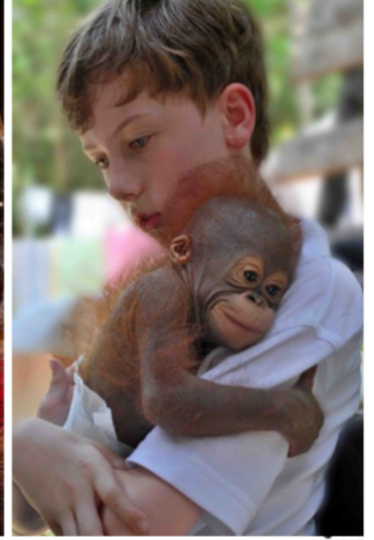
मिठू की यह हालत देखकर गोपाल भी रोने लगा । दोनों का रोना सुनकर लोग दौड़े, देखा तो मिठू बेहोश पड़ा है और गोपाल रो रहा है । मिठू का घाव तुरंत धोया गया और मलहम लगाया गया । थोड़ी



देर में उसे होश आ गया। वह गोपाल की ओर प्यार भरी आँखों से देखने लगा, जैसे कह रहा हो कि अब क्यों रोते हो? मैं तो अच्छा हो गया।



कई दिन मिट्टू की मलहम-पट्टी होती रही। धीरे-धीरे वह बिल्कुल अच्छा हो गया। गोपाल अब रोज आता और उसे रोटियाँ खिलाता। आखिर कंपनी के चलने का दिन आ गया। गोपाल बहुत दुखी था। वह मिट्टू के कठघरे के पास खड़ा आँसू भरी आँखों से देख रहा था कि मालिक ने आकर



दुखी था। वह मिट्टू के कठघरे के पास खड़ा आँसू भरी आँखों से देख रहा था कि मालिक ने आकर कहा, "अगर तुम्हें मिट्टू मिल जाए तो क्या करोगे?"



गोपाल ने कहा, "मैं उसे अपने साथ ले जाऊँगा, उसके साथ खेलूँगा। उसे अपनी थाली में खिलाऊँगा, और क्या?"



मालिक ने कहा, "अच्छी बात है, मैं बिना अठन्नी लिए इसे तुम्हें दे देता हूँ।" गोपाल को जैसे कोई **खजाना** मिल गया हो। उसने मिट्टू को गोद में उठा लिया, पर मिट्टू नीचे कूद पड़ा और उसके पीछे-पीछे चलने लगा। दोनों खेलते-कूदते घर पहुँच गए।

2. □□□□□□ :Mittu : Hindi Lesson : Questions & Answers



२.मिठ्ठू



हिंदी प्रश्न उत्तर

CBSE Board Class : 3rd

अठन्नी	=	पचास पैसे का सिक्का
खरीदना	=	मूल्य देकर लेना
कठघरा	=	पिंजरा
घाव	=	चोट
मलहम	=	दवाई
खजाना	=	भंडार

१. किस शहर में सर्कस कंपनी आई थी?

उत्तर : सर्कस कंपनी लखनऊ शहर आई थी।

२. कहानी में मिट्टू किसका नाम है?

उत्तर : कहानी में मिट्टू बंदर का नाम है।

३. सर्कस कंपनी में कौन-कौन-से जानवर थे?

उत्तर : सर्कस कंपनी में शेर, चिता, भालू और अन्य कई जंवर थे।

४. मिट्टू किससे घुल-मिल गया था?

उत्तर : मिट्टू गोपाल नाम के लडसे घुल-मिल गया था ।

